विश्व पर्यावरण दिवस 2024 के आयोजन पर रिपोर्ट

Report on celebration of World Environment Day-2024

#**मिशन लाइफ** के अंतर्गत #**विश्व पर्यावरण दिवस**-2024 की गतिविधियों से संबंधित क्षेत्रीय गतिविधियों आयोजन की श्रृंखला में सबसे पहले दिनाँक 27.05.2024 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र), लेह के छात्रों को हिमालय वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के वन विज्ञान केंद्र, लेह में संस्थान द्वारा विकसित *जुनिपर पॉलीकार्पस* की नर्सरी और वृक्षारोपण तकनीक के बारे में जानकारी दी गई और नर्सरी विधि एवं पौधे लगाने की तकनीक का भी डेमोस्ट्रेशन दिया गया और उसके उपयोग के बारे में भी बताया गया । प्रतिभागियों को संस्थान द्वारा विकसित *जुनिपर पॉलीकार्पस* की नर्सरी और वृक्षारोपण तकनीकों पर पुस्तिकाएं भी वितरित की गईं ।

इसी कड़ी में दिनाँक 28.05.2024 को क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, ताबो में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ताबो के छात्रों के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया । छात्रों को इस क्षेत्र की मूल वृक्ष प्रजाति *जुनिपरस पॉलीकार्पोस* के वृक्षारोपण की तकनीक के बारे में जानकारी दी गई और नर्सरी विधि एवं पौधे लगाने के तकनीक का भी डेमोस्ट्रेशन दिया गया और उसके उपयोग के बारे में भी बताया गया । उन्होंने इस पेड़ से संबंधित विभिन्न पहलुओं के बारे में सीखा, जिसमें इसका वृक्षारोपण, नर्सरी तकनीक, प्राकृतिक आवास, वितरण शामिल था । शीत मरुस्थल क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण को रोकने और भूमि बहाली के प्रयासों में *जुनिपरस पॉलीकार्पोस* के महत्व को बताया गया । छात्रों को *जुनिपरस पॉलीकार्पोस* के लिए तैयार की गई नर्सरी और वृक्षारोपण तकनीकों की जानकारी वाली पुस्तिकाएँ वितरित की गईं । उन्हें अनुसंधान केंद्र की नर्सरी में उगाई जाने वाली अन्य वानिकी और औषधीय पौधों की प्रजातियों की पहचान करवाई गई और उसके महत्व से भी अवगत कराया गया।

दिनाँक 31.05.2024 को संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, शिलारू द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कोट-शिलारू में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया और छात्रों को जंगल की आग, एकल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग न करने, पर्यावरण संरक्षण और इससे संबंधित चुनौतियों के बारे में जागरूक किया।

कार्यक्रमों की श्रृंखला को जारी रखते हुए, हिमालय वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के वन विज्ञान केंद्र लोंगनी, धर्मपुर, मंडी, हिमाचल प्रदेश ने 2 जून, 2024 को त्रायमला में एक जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया । स्थानीय समुदायों को वानिकी हस्तक्षेपों द्वारा बावड़ी/कुओं के कायाकल्प और स्थायी आधार पर उनके प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई और बावड़ी की सफाई करवाई गई । 05 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, हिमालय वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के फील्ड रिसर्च स्टेशन, बीर प्लासी नालगढ़ द्वारा एसीसी सीमेंट प्लांट और वन विभाग नालागढ़, सोलन के सहयोग से क्षेत्र के छात्रों और स्थानीय लोगों के लिए पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता अभियान चलाया । इस अवसर पर एसीसी सीमेंट प्लांट, बीर प्लासी के परिसर में शीशम, रीठा, जामुन, नेरियम और नीम के लगभग 50 पौधे लगाए गए ।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा 05 जून, 2024 को पश्चिमी हिमालय समशीतोष्ण आर्बोरिटम, पॉटर हिल, समरहिल, शिमला में विश्व पर्यावरण दिवस दिवस का मुख्य कार्यक्रम किया गया । जिसमे राजीव गांधी राजकीय महाविद्यालय, शिमला, राजकीय महाविद्यालय, संजौली और सेंट बीड्ज कॉलेज, शिमला से 90 विद्यार्थी शामिल हुये । संस्थान के निदेशक डॉ॰ संदीप शर्मा ने कहा कि सतत विकास के लिए वन प्रौद्योगिकी को अपनाना जरूरी है, उन्होंने कहा कि इस वर्ष का थीम 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित है । उन्होंने मृदा के स्वास्थ्य में दिन प्रतिदिन रसायनों के कारण हो रहे ह्रास पर चिंता व्यक्त की और जैविक उर्वरकों के उपयोग द्वारा जैविक कृषि को अपनाने पर बल दिया । विद्यार्थियों एवं अन्य सभी प्रतिभागियों को पौधरोपण और वनों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया और छात्रों से आग्रह किया कि वो वन के सरंक्षण में अपना योगदान दें और समाज में जागरूकता फैलाएँ । राजा भसीन, इतिहासकार एवं विख्यात लेखक ने कहा कि आग से वनों के नष्ट होने से प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ गई है । आजकल हर जगह वन धूँ धूँ कर जल रहे हैं, इसके दुष्प्रभाव के बारे में लोगों के बीच जागरूकता लाना अति आवश्यक है । उन्होनें कहा कि पर्यावरण सरंक्षण में सभी को अपना दायित्व

निभाना होगा । श्री शाहनवाज़, वनमंडल अधिकारी ने जल और मृदा संरक्षण पर बल दिया और पर्यावरण के अनुकूल उपाय अपनाने की सलाह दी । डॉ. जगदीश सिंह, वैज्ञानिक ने पर्यावरण संरक्षण के मिशन लाइफ के उद्देशयों के बारे में जानकारी दी । डॉ॰ वनीत जिश्टु, वैज्ञानिक ने जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए हरित स्थान के महत्व के बारे में अवगत करवाया । उन्होनें सुझाव दिया कि स्मार्ट सिटि प्रोजेक्ट में ग्रीन स्पेस विकसित करना जरूरी है, क्योंकि विकास के कारण वन क्षेत्र कम हो गया है । उन्होनें कहा कि संस्थान ने पौटर हिल शिमला में आरबोरेटम विकसित किया है जिसमें महत्वपूर्ण 120 स्थानीय प्रजातियों के पौधे रोपित किए हैं, जिससे शिमला शहर के पास ग्रीन स्पेस उपलब्ध होगा । विद्यार्थियों को स्थानीय प्रजातियों के रोपित पौधे और औषधीय पौधों के पहचान करने की प्रेक्टिकल जानकारी दी । विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण से संबन्धित पोस्टर मेकिंग, नारा-लेखन, क्विज़ एवं स्किट प्ले प्रतियोगितायेँ भी कारवाई गई । नारा लेखन में राजकीय महाविद्यालय, संजौली की कनिका शर्मा, पारुल ठाकुर और अर्पिता वत्सयान ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में भी राजकीय महाविद्यालय,संजौली से वैशाली शर्मा, आयुषी जसरोटिया और अर्पिता वत्सयान ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किए । प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय, संजौली, राजीव गांधी राजकीय महाविद्यालय, शिमला, और सेंट बीडज कॉलेज, शिमला क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थानों पर रहे । स्कीट/नाटक प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय,संजौली, सेंट बेडेज़ कॉलेज, शिमला और राजीव गांधी राजकीय महाविद्यालय, शिमला क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थानों पर रहे । प्रतियोगिताओं के विजेताओं को निदेशक ने पुरुस्कार वितरित किए ।

Awareness cum Demonstration Program on Mission LiFE at VVK Leh for GSSS, Leh

Awareness cum Demonstration Program for students of GSSS Tabo at FRS Tabo, Lahual & Spiti, HP

FRS, Shilaru organized an awareness programme at GSSS, Kot-Shilaru

Cleanliness program at Taryamala, Longni, Dharampur, Mandi, Himachal Pradesh

Awareness cum plantation campaign at Nalagarh

Celebration of World Environment Day 2024 at Potter Hill, Shimla

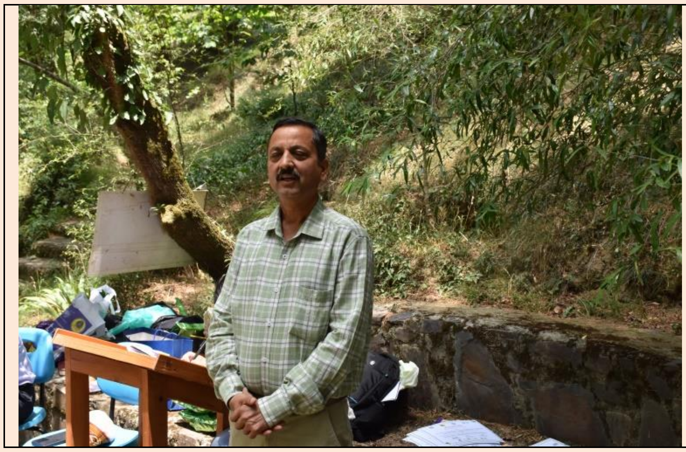

LAND RESTORATION
DESERTIFICATION
&
DROUGHT RESILIENCE
WORLD
ENVIRONMENT
DAY
Organised by
ICFRE-HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA
IN COLLABORATION WITH

LAND RESTORATION
DESERTIFICATION
&
DROUGHT RESILIENCE
WORLD
ENVIRONMENT
DAY
ICFRE-HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA

LAND RESTORATION
DESERTIFICATION
&
DROUGHT RESILIENCE
WORLD
ENVIRONMENT
DAY
ICFRE-HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA
HIMACHAL PRADESH FOREST DEPARTMENT (WILDLIFE WING)

LAND RESTORATION
DESERTIFICATION
&
DROUGHT RESILIENCE
WORLD
ENVIRONMENT
DAY
ICFRE-HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA

LAND RESTORATION
DESERTIFICATION
&
DROUGHT RESILIENCE
WORLD
ENVIRONMENT
DAY

LAND RESTORATION
DESERTIFICATION
&
DROUGHT RESILIENCE
WORLD
ENVIRONMENT
DAY
Organised by
ICFRE-HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA
IN COLLABORATION WITH
HIMACHAL PRADESH FOREST DEPARTMENT (WILDLIFE WING)
VENUE : WESTERN HIMALAYAN TEMPERATE ARBORETUM

LAND RESTORATION
DESERTIFICATION
&
DROUGHT RESILIENCE

Media Coverage

नारा लेखन में कनिका प्रथम

संवाद न्यूज एजेंसी

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान संस्थान ने पश्चिमी हिमालय समशीतोष्ण आर्बोरेटम, पॉटर हिल, समरहिल में विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यशाला लगाई। इस वर्ष का 'थीम हमारी भूमि नारे के तहत भूमि बहाली' मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित है।

कार्यशाला में वन विभाग के अधिकारी, कोटशेरा कॉलेज, बीड्स कॉलेज और संजौली कॉलेज के 90 छात्र मौजूद रहे। इतिहासकार एवं विख्यात लेखक राजा भसीन ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। विद्यार्थियों में पोस्टर मेकिंग, नारा लेखन, क्विज और स्किट प्ले प्रतियोगिताएं कारवाई गईं।

कार्यशाला में मृदा के स्वास्थ्य में दिन प्रतिदिन रसायनों के कारण हो रहे नुकसान पर चिंता व्यक्त की गई। जैविक कृषि को अपनाने पर बल दिया गया। वनमंडल अधिकारी शाहनबाज ने जल और मृदा संरक्षण

पॉटरहिल में पर्यावरण संरक्षण पर लगाई कार्यशाला

पर बल दिया। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान संस्थान वैज्ञानिक वनीत जिश्टु ने जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए हरित स्थान के महत्व के बारे में अवगत करवाया।

नारा लेखन में राजकीय महाविद्यालय संजौली की कनिका शर्मा पहले, पारुल ठाकुर दूसरे और अर्पिता वत्सयान ने तीसरा स्थान हासिल किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय संजौली की वैशाली शर्मा ने पहला, आयुषी जसरोटिया ने दूसरा और अर्पिता वत्सयान ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय संजौली पहले, राजीव गांधी राजकीय महाविद्यालय दूसरे और सेंट बिड्स कॉलेज तीसरे स्थान पर रहा। नाटक प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय पहले, सेंट बिड्स कॉलेज दूसरे और राजीव गांधी राजकीय महाविद्यालय तीसरे स्थान पर रहा।

भाषण में मानसी को मिला प्रथम स्थान

शिमला। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय घनाहट्टी में विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता रैली निकाली गई। इसमें एनएसएस क्लब, रोड सेफ्टी क्लब और मोनाल यूथ इको क्लब के विद्यार्थियों और अध्यापकों ने भाग लिया। स्कूल में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में मानसी ने पहला, वंशिका ने दूसरा और निकिता ने तीसरा स्थान हासिल किया। चित्रकला प्रतियोगिता कनिष्ठ वर्ग में राहिनी ने पहला, रितु ने दूसरा और जिया ने तीसरा स्थान हासिल किया। वरिष्ठ वर्ग में भूमिका ने पहला, अरमान ने दूसरा और विक्रांत ने तीसरा स्थान पाया। नारा लेखन प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग में शुभांगी ने पहला और गौरव ने तीसरा, वरिष्ठ वर्ग में टिक्का ने पहला स्थान हासिल किया। संवाद

प्रदेश के जंगलों में आग से पर्यावरण को नुकसान

वन अनुसंधान संस्थान चिंतित, विशेषज्ञों ने किसानों को जैविक कृषि अपनाने पर दिया बल

- पर्यावरण संरक्षण में सभी को निभाना होगा अपना दायित्व
- पर्यावरण दिवस पर प्रतियोगिता में छाए विजेताओं को सम्मान

विशेष संवाददाता-शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. संदीप शर्मा ने कहा कि सतत विकास के लिए वन औद्योगिकी को अपनाना जरूरी है। वे विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मृदा के स्वास्थ्य में दिन-प्रतिदिन रसायनों के कारण हो रहे ह्रास पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने जैविक उर्वरकों के उपयोग के जैविक कृषि को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जगह-जगह जंगल जल रहे हैं। इसके दुष्प्रभाव के बारे में लोगों के बीच जागरूकता लाना अति आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण में सभी को अपना दायित्व निभाना होगा। वनमंडल अधिकारी शाहनवाज ने जल और मृदा संरक्षण पर बल दिया और पर्यावरण के अनुकूल उपाय अपनाने की सलाह दी। डा. जगदीश सिंह, वैज्ञानिक ने पर्यावरण संरक्षण के मिशन लाइफ के उद्देश्यों के बारे मे जानकारी दी। वैज्ञानिक डा. वनीत जिश्टु ने जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए हरित स्थान के महत्त्व के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने सुझाव दिया कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट मे ग्रीन स्पेस विकसित करना जरूरी है। इसमें महत्वपूर्ण 120 स्थानीय प्रजातियों के पौधे रोपित किए हैं। विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण से संबंधित पोस्टर मेकिंग, नारालेखन, क्विज और स्किट प्ले प्रतियोगितायें भी कारवाई गई।

नारा लेखन में राजकीय महाविद्यालय संजौली की कनिका शर्मा, पारुल ठाकुर और अर्पिता वत्सयान ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में भी राजकीय महाविद्यालय, संजौली से वैशाली शर्मा, आयुषी जसरोटिया और अर्पिता वत्सयान ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किए। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय, संजौली, राजीव गांधी राजकीय महाविद्यालय, शिमला, और सेंट बेडेज़ कालेज, शिमला क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थानों पर रहे। स्कीट/नाटक प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय, संजौली, सेंट बेडेज कालेज, और राजीव गांधी राजकीय महाविद्यालय, शिमला क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थानों पर रहे। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को निदेशक ने पुरुस्कार वितरित किए।

पोस्टर मेकिंग में वैशाली, स्लोगन राइटिंग में अर्पिता अव्वल

स्टाफ रिपोर्टर-शिमला

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में आईसीएफआरआई-एचएफआरआई द्वारा पॉटरहिल, समरहिल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें क्विज कंपीटिशन, साइंटिफिक नाटक, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग एवं वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में संजौली कॉलेज के लगभग 25 छात्रों ने तथा दो सहायक आचार्यों ने भाग लिया। क्विज कॉम्पिटिशन सचिन वर्मा, हरिओम ठाकुर, रोहित, कनिका शर्मा तथा एंजल और साइंटिफिक नाटक स्वप्निल सूरियान, एंजल, हिम किरण, सपना, विनीता, विशाखा तथा शीतल में महाविद्यालय के छात्रों ने प्रथम पुरस्कार हासिल किया। पोस्टर मेकिंग वैशाली, कशिश तथा कनिका एवं स्लोगन राइटिंग अर्पिता, कनिका, पारुल में संजौली कालेज ने प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों द्वारा भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखा लचीलापन से निपटने के लिए विभिन्न प्रकार के उपाय बताए तथा इन मुद्दों पर लोगों को अवगत कराया। विद्यार्थियों का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के विभिन्न मुद्दों पर लोगों को जागरूक करना रहा। विद्यार्थियों को इनामों से सम्मानित किया गया।

****